1	2	3		4	
9.	एन०टी०सी० (डब्ल्यू०बी०ए०डी० ओ०) लि०	336372	304424	3185	2194
	उप-योग (क)	2951632	2798420	33925	30334
(ख)	**प्रबंधित एकक**				
1.	लक्ष्मी रतन एवं ग्रथर्तन	100435	63981	2023	1516
2.	टी.ग्रो.एम. (मुम्बई)	728904	393140	11131	6359
	उप-योग (ख)	829340	457121	13154	7875
	कुल योग (क+ख)	3780972	3255541	47079	38209
		(3917858)	(3328227)	(49653)	(41313)

कोष्ठको में ग्राकड़े : सितम्बर, 89 ग्रनुसार स्थिति ।

देश में रेशम विज्ञान केन्द्र ग्रौर रेशम का उत्पादन

888. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश के किन-किन क्षेत्रो में रेशम उत्पादन केन्द्र चल रहे हैं तथा उनकी उपलब्धि क्या है ; ग्रौर

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान हुए रेशम के उत्पादन का ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री (श्री हुकुमदेव नारायण यादव) : (क) केन्द्रीय रेशम बोर्ड (सी०एस०बी०) के पास रेशम की विभिन्न किस्मों को विकसित करने के लिये निम्नोक्त मुख्य ग्रनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान हैं:–

(1) केन्द्रीय रेशम उत्पादन ग्रनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, मसूर, कर्नाटक ।

(2) केन्द्रीय रेशम उत्पादन ग्रनुसंधान एव प्रशिक्षण सस्थान, बरहामपुर, प० बंगाल ।

(3) केन्द्रीय तसर ग्रनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राची, बिहार ।

(4) केन्द्रीय रेशम प्रौद्योगिकी ग्रनुसंधान संस्थान, बेंगलूर, कर्नाटक ।

उपरोक्त संस्थानो मे क्षेत्रीय रेशम उत्पादन ग्रनुसंधान स्टेशन का एक नेटवर्क है (सूची विवरण के रूप में संलग्न है) । इसके ग्रलावा सारे देश में ग्रनुसधान उपलब्धियों का प्रचार करने के लिये ग्रनुसंधान विस्तार केन्द्र भी है जो बोर्ड के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ग्रायोजन भी करते हैं ।

बोर्ड के संस्थान में उन्नत शहतूती किस्में जैसी (एस–799, एबी–763, एस श्रेणी, के 2 ग्रादि) शामिल है ग्रौर गैर शहतूती किस्मों के विकास के लिये उपयुक्त कृषि ग्रर्थव्यवस्था के व्यवहार को भी विकसित करते हैं इसके ग्रलावा उन्नत रेशम रीलिंग चरखा

और मल्टी एंड रीलिंग मशीनों, जो यार्न की अच्छी क्वालिटी का यार्न बनाने की क्षमता रखते है का डिजाइन भी बोर्ड द्वारा तैयार किया गया है। वर्ष 1989-90 के दौरान बोर्ड की विभिन्न यूनिटों द्वारा अपने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमो के अन्तर्गत 3002 अभ्यर्थियो/किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

विवरण

1. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसधान स्टेशन, बैंगलूर, कर्नाटक
2. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसधान स्टेशन, चामराजनगर, कर्नाटक
3. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान स्टेशन, सलैम, तमिलनाडु
4. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान स्टेशन, कन्नौर, तमिलनाडु
5. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसधान स्टेशन, अनन्तपुर, आध्र प्रदेश
6. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसधान स्टेशन, कलिमपोग, प० बगाल
7. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसधान स्टेशन, मोथाबाडी, प० बंगाल
8. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान स्टेशन, रांची, बिहार
9. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसधान स्टेशन, पामपौर, जम्मू व कश्मीर
10. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसधान स्टेशन, माजूरा, उत्तर प्रदेश
11. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसधान स्टेशन, जोरहाट, असम
12. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसधान स्टेशन, कोरापुट, उडीसा
13. क्षेत्रीय तसर अनुसधान स्टेशन, बाटोटे, जम्मू व कश्मीर
14. क्षेत्रीय तसर अनुसंधान स्टेशन, भीमताल, उत्तर प्रदेश
15. क्षेत्रीय तसर अनुसंधान स्टेशन, जगदलपुर, मध्यप्रदेश
16. क्षत्रीय तसर अनुसधान स्टेशन, इंफाल, मणिपुर
17. क्षेत्रीय मूगा अनुसंधान स्टेशन, बौंको, असम।

(ख) पिछले 3 वर्षों के दौरान कुल कच्चे रेशम का उत्पादन निम्न अनुसार है:-

वर्ष	उत्पादन (टन मे)
1987-88	9498
1988-89	10,653
1989-90	11,799

Gold mani at Delhi Airport

889 SHRI V. NARAYANASAMY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state·

(a) whether there was a rich gold haul at the Delhi Airport recently; and

(b) what were the details of seizures of smuggled items including gold at the various airports of the country during the last six months, month-wise?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE AND DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DIGVIJAY SINGH): (a) Yes Sir. The Hon'ble Member of Parliament is presumably referring to the recent seizure of 20 kgs. of contraband gold worth Rs. 69 lakhs from a toilet of Singapore Airlines flight no. SQ-024 at Indira Gandhi International Airport, New Delhi on 7th December, 1990 by the officers of the Directorate of Revenue Intelligence.